समीक्षा

2008-2009

महिला उमंग समिति

पंजीकृत पता : ग्राम –डड्गल्या ,पोस्ट आफिस – कालिका , रानीखेत पिन – 263 645, जिला अल्मोड़ा
कार्यालय पता : ग्राम –नैनी , पोस्ट आफिस – कालिका , रानीखेत, पिन – 263 645, जिला अल्मोड़ा
फोन न. : 05966 – 222298 , 240430
E- mail - umang@grassrootsindia.com

परिचय

महिला उमंग समिति महिलाओं का एक गठबन्धन है जिसका पंजीकरण सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 के तहत 3 सितम्बर 2001 को रजिस्टार ऑफ सोसाइटीज के हल्द्वानी, कार्यालय, उत्तराखण्ड में किया गया है। उमंग का कार्यालय जिला अल्मोड़ा, रानीखेत के पास ग्राम नैनी में स्थित है।

उमंग का मुख्य लक्ष्य महिलाओं के सषक्तीकरण द्वारा उनके जीवन में गुणात्त्मक सुधार लाना है। विगत आठ वर्षो से इस लक्ष्य को पुरा करने के लिये उंमग विभिन्न आजीविका विकास एवं प्राकृतिक संसाधनो के संरक्षण एंव संवर्धन हेतु ग्रामीण समुदाय की सहभागिता सुनिष्चित कर उपयुक्त कार्यक्रमों का संचालन कर रही है।

समाज के विकास के लिए अपना योगदान देने हेतु एवं पंचायती राज में नेंतर्त्व ग्रहण करने के लिए समय-समय पर क्षमता वृद्वि गोष्ठियों का आयोजन करना एवं स्वंय सहायता समूहों का गठन कर महिला सशक्तीकरण हेतु अनुकूल मंच तैयार करने का प्रयास भी किया जा रहा है ।

समीक्षा वर्ष में उमंग द्वारा सामुदायिक एंव आजीविका विकास कार्यक्रम अल्मोड़ा, नैनीताल एंव बागेष्वर जिलो के 8 विकास खण्डों के लगभग 128 गॉवों मे पूर्व से संचालित कार्यक्रमों को सुचारू ढ़ग से संचालित करने के प्रयास जारी रहे, जिसका विवरण निम्नलिखित है।

सामुदायिक विकास कार्यक्रम

समीक्षा वर्ष के दौरान अल्मोड़ा जिला के गगास घाटी में संचालित गधेरा बचाओ परियोजना के तहत उमंग ने अन्य संस्थाओं के साथ सामंजस्य बना कर पर्वतीय समुदाय को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं सर्वधन के कार्यक्रमों में अहम भूमिका निभाई हैं, जो कि निमन्वत हैं :

- समुदाय का उनके पास उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों का विश्लेषण कर इनके दोहन एवं उनके जीवन स्तर में गुणात्मक ह्रास पर उनका ध्यान आकर्षित करने हेतु गॉव में गोष्ठियों का आयोजन करना।
- चर्चा के उपरान्त स्वंय सहायता समूहों का गठन कर महिलाओं द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के सरंक्षण एवं सर्वधन के कार्यक्रमो में सहभागिता सुनिश्चित करना।
- कार्यक्रमों को क्रियान्वयन करने हेतु गधेरा बचाओ समितियों का गठन करना एवं सत् प्रतिषत परिवारों की सहभागिता सुनिश्चित करना।
- गगास घाटी के सत्त विकास एवं संरक्षण की परिकल्पना साकार करने के लिए समय समय पर क्षमता विकास कार्यक्रमों का आयोजन करना ।

महिला स्वंय सहायता समूह :

समीक्षा वर्ष के दौरान उमंग द्वारा 14 ग्रामों मे 16 स्वंय सहायता समूहों का गठन किया गया है। इन समूहो में महिलाओं द्वारा सदस्यता ग्रहण की गई है, जो प्रतिमाह अपनी सुविधानुसार 10 से 100 रूपये तक की बचत करते हैं।

संचित रूप से आठ वर्षो के दौरान 159 स्वंय सहायता समूहों का गठन किया गया है जिससे 2,345 महिलाएं जुड़ी है। ये समूह अपना कार्य सुचारू रूप से कर रहे हैं। इन समूहों के माध्यम से महिलाओं को मिलने जुलने,अपने विचारों को प्रकट करने का एवं एक दूसरे की समस्याओं पर विचार कर उसका समाधान निकालने के लिए एक मंच मिला है। विशेषकर यह समूह जल, जंगल, जमीन व आजीविका की समस्याओं को लेकर कार्य कर रहें हैं, एंव अपने गॉव के विकास में सहभागिता निभा रहें हैं।

इन समूहो के कोष मे लगभग रू. 27,87,137/–(सत्ताईस लाख सत्तसी हजार एक सौ सैंतीस रूपये) जमा हो गया है। इस वर्ष 277 महिलाओं को कुल रू. 13,29,600 /– (तेरह लाख उन्नीस हजार छः सौ रूपये) का ऋण दिया गया है। इस ऋण का उपयोग महिलाओ ने अपने बच्चो की षिक्षा, मकान बनाने, शौचालय बनाने, दुख–बीमारी, गाय- भैस खरीदने एंव विवाह आदि कार्यो को करने हेतु लिया। सभी महिलाओं ने समय पर ऋण वापस किया है। इन महिलाओं की नियमित रूप से पैसा जमा करने की अच्छी आदत बन गयी है। बचत एंव ऋण के साथ–साथ 72 प्रतिषत स्वंय सहायता समूहों द्वारा आयवर्धन के कार्यक्रम भी स्वालम्बिक रूप से संचालित किया जा रहा हैं।

समीक्षा वर्ष के दौरान गठित स्वंय सहायता समूहों का विवरण निम्नवत है :

क्रम सं.	समूह का नाम	गॉव का नाम	ब्लाक	जिला	सदस्य	जमा (रू.)
1	माँ भगवती बचत समूह	बरखोला	द्वाराहाट	अल्मोड़ा	21	5,101
2	महिला सिद्वि बचत समूह	बुढ़ढा सुरना		"	22	3,300
3	सांझा बचत समूह	नैनी		"	13	43,818
4	जय माँ काली बचत समूह	कालिका		"	7	12,000
5	महिला श्रद्वा बचत समूह	दुधोली		"	20	5000
6	महिला शान्ति बचत समूह	दुधोली		"	20	4,000
7	महिला दुर्गा बचत समूह	दुधोली		"	14	1,300
8	पूजा बचत समूह	बैगनिया		"	16	3,200
9	महिला प्रेरणा समूह	किशनपुर		"	16	2,250
10	लक्ष्य बचत समूह	मालरोड		"	18	6,200
11	पहल बचत समूह	लेद		"	18	900
12	आस्था बचत समूह	उभ्याड़ी		"	11	1,300
13	महिला शान्ति बचत समूह	खाड़ी / सोमेश्वर	ताकुला	"	16	1,200
14	महिला ज्योति बचत समूह	छानी		"	14	1050
15	महिला खुशी बचत समूह	क्वैराली		"	11	3,850
16	जीवन ज्योति	ताड़ीखेत	ताड़ीखेत		12	5,150
	कुल	**गांव –14**			**249**	**99,649**

आजीविका विकास कार्यक्रम

समीक्षा वर्ष के दौरान पूर्व संचालित आजीविका विकास कार्यक्रमो को और अधिक सुदृढ़ता प्रदान करने के लिए उमंग समूहों से जुड़ी हुई स्थानीय महिलाओं ने मिलकर **"महिला उमंग उत्पादक कम्पनी लिमिटेड"** का गठन किया। इसमें महिला उच्च गुणवत्ता के उत्पाद दे कर अधिक से अधिक लाभ कमा सकें, और उमंग को अतिरिक्त मुनाफ होने पर, बोनस के माध्यम से उत्पादक महिलाओं को लाभान्वित किया जायेगा। इससे महिलाओं के व्यक्तित्व व निर्णय लेने की क्षमता तथा उमंग के प्रति अपन्तव की भावना में भी वृद्वि होने लगी है, जिसकी झलक इन्द्रा कबडवाल की कहानी में उभर कर आई है।

इन्द्रा कबडवाल की कहानी

मै इन्द्रा कबडवाल, ग्राम उभ्याड़ी, द्वाराहाट, जिला अल्मोड़ा की स्थाई निवासी हूँ। मेरे तीन बच्चे हैं, मेरे पति का स्वास्थ खराब होने के कारण वह कोई भी कार्य नहीं कर पाते है, जिस कारण मुझे काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ा। मैं स्वंय लोगों के छोटे–छोटे कार्य कर अपने परिवार का भरण–पोषण करती थी। घर की आर्थिक स्थति बहुत खराब थी। सन् 2002 में मुझे उमंग के बारे मैं पता चला, और मैने उससे जुड़ कर बुनाई का प्रषिक्षण लिया, और धीरे धीरे मेरे कार्य में दक्षता आती गई। पिछले एक साल से मैं उमंग मे एक प्रषिक्षक के तौर पर कार्य कर रही हूँ, इस पद पर रहते हुये मैने लगभग दुसाद गधेरे की 100 महिलाओं को प्रषिक्षण दे चुकी हूँ। साथ ही मैं अपने गॉव की आषा कार्यकर्ता भी हूँ। अब मुझमे एक आत्मविष्वास आ गया है, अब हमारा पुरा परिवार खुषहाली से जीवन व्यतीत कर रहा है।

इस समीक्षा वर्ष में संचालित आजीविका विकास कार्यक्रमों का विवरण निम्नलिखित है।

बुनाई कार्यक्रम

बुनाई कार्यक्रम को कुषलता प्रदान करने हेतु प्रषिक्षण के उपरान्त स्वंय सहायता समूहों का गठन कर 794 महिलाओं का एक मंच गठित किया जा चुका है, जो हाथ के बुने उत्पादों का उत्पादन कर रही है। इस कार्यक्रम के तहत महिलाओं में आर्थिक स्वावलम्बिता का विकास हुआ है, जिससे उनमें आत्मनिर्भरता आई है।

बुनाई परियोजना से जुड़े समूहों का वर्षवार आय विवरण

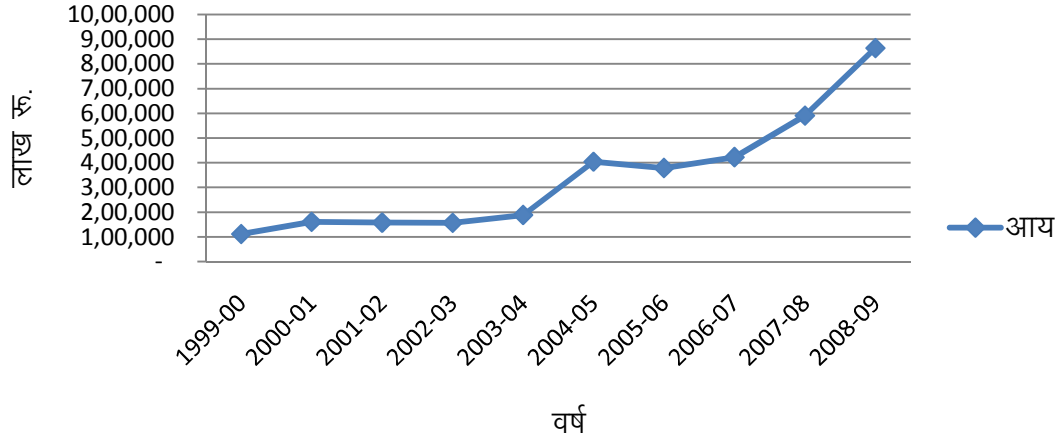

बुनाई कार्यक्रम के तहत 16 केन्द्रो का संचालन कर 75 गॉवों की 794 महिलायें इससे जुड़ी है जिनका विवरण निम्नवत है :

केन्द्र का नाम	ब्लाक	जिला	स्वंय सहायता समूह	सदस्य	गॉव	उत्पादन (रू.)	आय प्रति सेन्टर (रू.)
राइस्टेट	ताड़ीखेत	अल्मोड़ा	2	34	04	3,59,670	77,497
नैनीपुल	रामगढ़	नैनीताल	2	25	08	2,23,635	59,660
मजखाली	द्वाराहाट	अल्मोड़ा	5	81	08	3,88,421	83,995
मालरोड	ताड़ीखेत	अल्मोड़ा	2	40	04	3,03,003	71,310
पातली	ताड़ीखेत	अल्मोड़ा	2	24	09	1,60,216	31,315
लोद	ताकुला	अल्मोड़ा	3	54	01	1,16,968	30,311
क्वैराला	हवालबाग	अल्मोड़ा	1	23	01	1,19,567	25,810
नैनी	द्वाराहाट	अल्मोड़ा	1	31	1	2,09,202	42,841
तिपोला	द्वाराहाट	अल्मोड़ा	1	13	1	56,617	13,775
कालिका	द्वाराहाट	अल्मोड़ा	1	19	1	1,07,846	23,328
कनाड़ी	ताड़ीखेत	अल्मोड़ा	15	64	8	3,26,723	76,420
दुसाद	द्वाराहाट	अल्मोड़ा	23	249	16	9,12,616	2,13,883
भड़गांव	द्वाराहाट	अल्मोड़ा	2	27	1	27,685	7,700
कौसानी	गरूड़	बागेश्वर	2	26	06	2,85,400	67,710
सोमेश्वर	ताकुला	बागेश्वर	5	66	5	1,48,022	32,959
चिलियानौला	द्वाराहाट	अल्मोड़ा	1	18	1	17,373	4,845
		कुल	**68**	**794**	**75**	**37,62,964**	**8,63,359**

- विगत वर्ष की तुलना में 36.27 प्रतिशत सदस्य एंव 35.29 प्रतिशत नये समूह बिनाई परियोजना से जुड़े हैं।
- समीक्षा वर्ष के दौरान 794 महिलाओं ने रू. 37,62,964 का उत्पादन किया।
- इनके द्वारा रू. 8,63,359 की बुनाई कर अतिरिक्त आय के रूप में कमाया एंव परिवार की आर्थिक स्थिति को सुधारने मे योगदान दिया।
- पिछले आठ वर्षो के मेहनत के फलस्वरूप पॉचवी बार महिलाओं को स्वंय सहायता समूह के माध्यम से प्रतिभागी के उत्पाद के अनुसार 1,20,000 रूपये बोनस के रूप में वितरण किया गया।
- सामान्यतः 82 प्रतिषत महिलाओं ने 2000 रू. तक , 16 प्रतिषत ने 5,000 रू. तक एंव 2 प्रतिषत ने 5,000 से ऊपर वार्षिक आय अर्जित की।
- संचित रूप से बिनाई परियोजना के द्वारा आठ वर्षो में 126 गॉवों की 1244 महिलाओं ने प्रषिक्षण लिया।
- समीक्षा वर्ष के दौरान बुनाई सामाग्री की कुल विक्रय 24,14,818 रूपये हुई, जो कि विगत वर्ष की तुलना में 18.37 प्रतिषत अधिक है।

संरक्षित खाद्य एंव मौन पालन कार्यक्रम

कुमॉऊ क्षेत्र के आर्थिक विकास का आधार कृषि एंव बागवानी है। इसे मद्देनजर रखते हुये एक उचित उद्यम की स्थापना कर , स्वंय सहायता समूह के माध्यम से कास्तकारों के उनके उत्पाद का उचित मूल्य प्रदान करने हेतु उमंग ने संरक्षित खाद्य कार्यक्रम की स्थापना की। इस कार्यक्रम को चलाने हेतु हमे भारत सरकार द्वारा नियंत्रित एफ0 पी0 ओ0 का लायसेन्स भी प्राप्त है। उमंग **कुमॉऊनी** ब्राडॅ के नाम से बाजार मे निम्नलिखित उत्पादो को विक्रय कर कास्तकारों के आर्थिक स्थिति को सुद्वढ़ बनाने में कार्यरत है।

इस वर्ष में उमंग ने निम्नलिखित उत्पाद बनाये है –

क्रम सं.	सामग्री	उत्पादन (किग्रा.)	विक्रय मूल्य रू.
क. अचार			
1	आम का अचार	1,600	2,24,000
2	हरी मिर्च अचार	542	86,720
3	कागजी नीबू	297	47,520
4	लहसुन अचार	762	1,29,540
5	अदरक अचार	296	53,280
6	प्लम चटनी	1,602	2,56,320
7	लाल मिर्च अचार	559	89,440
8	टमाटर चटनी	226	36,160
	कुल	**5,884**	**9,22,980**
ख. जैम			
1	प्लम जैम	1053	1,57,950
2	खुमानी जैम	1,415	2,12,250
3	सेब जैली	782	1,17,300
4	मारमलेट	733	1,17,280
	कुल	**3,983**	**6,04,780**
	कुल (क+ख)	**9,867**	**15,27,760**
ग. शहद			
1	लीची शहद	1781	4,27,440
2	युकेलिप्टस	810	1,94,400
3	सनफलावर	36	8,640
		2,627	**6,30,480**

- इन उत्पादों को बनाने में 1299 मानव दिवस सर्जित हुये।
- इस कार्यक्रम हेतु कच्चा माल 90 कास्तकारों से रू. 1,01,267 का कृषि उत्पाद क्रय किया गया।
  फल उत्पादन से जुड़े 4 समूहों में रू. 12,000 बोनस के स्वरूप वितरित भी किया गया। कास्तकारों द्वारा उमंग में सामान देने से उन्हें अपने सामान का उचित मूल्य मिला तथा बाजार मूल्य भी उचित निर्धारित करने में मदद मिली।
- समीक्षा वर्ष के दौरान अचार तथा जैम की कुल विक्रय रूपये 10,88,299 हुई जो कि विगत वर्ष की तुलना में 44.69 प्रतिषत अधिक है।

- इस वर्ष 18 मौन पालको से 2,627 किलो शहद खरीदा जिसका क्रय मूल्य रू. 3,67,704 रहा।
- समीक्षा वर्ष के दौरान शहद की बिक्री 4,92,766 रूपये रही जो कि विगत वर्ष की तुलना में 28.82 प्रतिषत अधिक है।

मोमबत्ती कार्यक्रम

महिलाओं के आयवर्धन हेतु उंमग द्वारा मोमबत्ती कार्यक्रम को पिछले दो वर्षो से स्वंय सहायता समूह के माध्यम से चलाया जा रहा है, जोकिं महिलाओं के आय का एक अच्छा साधन बन रहा है। समीक्षा वर्ष में भी 4 स्वंय सहायता समूह द्वारा 24,500 रू. की मोमबत्ती दिवाली के अवसर पर उत्पादित कर लोकल बाजार में विक्रय किया गया। इस कार्यक्रम को महिला स्वंय सहायता समूह द्वारा चलाये जाने से यह फायदा हुआ है कि समूह इस कार्यक्रम को स्वंय चलाने हेतु सक्षम हुये।

हिमखाद्यय कार्यक्रम

विगत दो वर्षो से प्रयोगिक तौर पर चलाये जा रहे हिमखाद्यय कार्यक्रम को और मजबूती एंव उचित बाजार की व्यवस्था कर लुप्त हो रही पारम्परिक फसलों के उत्पादन को प्रोत्साहन एंव प्रचार–प्रसार करने के लिए स्वंय सहायता समूह के माध्यम से क्रय–विक्रय किया जा रहा है। समीक्षा वर्ष के दौरान इस कार्यक्रम के परिणाम अच्छे आने लगे हैं, जो निम्नानुसार हैं :

- ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादित फसलों की उपज की अधिकता एंव न्युनता को ध्यान में रखते हुए विभिन्न क्षेत्र में आपसी सामंजस्य से इस कमी की पूर्ति करने हेतु गगास एंव अन्य क्षेत्रों के 320 कास्तकारों के साथ दुसाद गधेरा बचाओ मंच/स्वंय सहायता समूह के माध्यम से हिमखाद्यय कार्यक्रम के उत्पाद खरीदे गये एंव अन्य क्षेत्रों के स्वंय सहायता समूह में विक्रय किया।
- समीझा वर्ष के दौरान 26 गांव के 181 कास्तकारों को 18 उन्नत प्रजातियों के बीज वितरित किये गये। इन सभी बीजों का उत्पादन जैविक विधि के माध्यम से करने को प्रेरित किया गया, एंव फसल को रोगों से बचाने के लिए वैज्ञानिक विधि से जैविक उपचार का प्रषिक्षण भी दिया गया।

- गगास क्षेत्र में हिमखाद्यय के उत्पादों का अधिक लाभ प्राप्त के लिए 9 गांव के 318 कास्तकारों के साथ जैविक खेती को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। इनमे से दुसाद के 243 कास्तकारों के साथ **जैविक सहभागी प्रमाणिकरण प्रक्रिया** आंरभ की जा चुकी है।
- समीझा वर्ष के दौरान गगास जलागम क्षेत्र के 6 कास्तकारों द्वार श्री धान विधि के माध्यम से धान के उत्पादन को प्रांरभ किया गया जिसके परिणाम आशानुकूल रहे, जिसमे लगभग 25 प्रतिषत उत्पादन अधिक रहा। इसमे जैविक विधि का पूर्णत प्रयोग किया गया, इस विधि में बीज बचने के साथ–साथ पानी एंव श्रम में भी कमी पाई गई। भविष्य में इस विधि का प्रचार–प्रसार एंव जागरूक करने की अधिक आवष्यकता है।
- इसी के साथ साथ समीझा वर्ष में अन्य अधिक मूल्यवान फसल जैसे स्टोरबेरी, केमोमाईल, ऐलोवेरा, रीठा, अखरोट आदि के उत्पादन बढ़ाने के प्रयास को निरन्तर बढ़ावा दिया गया।
- उपरोक्त उत्पादों को बाजार में हिमखाद्यय के नाम से बेचा जा रहा है।
- समीझा वर्ष के दौरान हिमखाद्यय सामग्री की कुल बिक्री रू0 6,01,290 रही।

समीक्षा वर्ष के दौरान कास्तकारों से हिमखाद्यय सामग्री के क्रय का विवरण :

क्रम सं0	सामग्री	कुल कास्तकार	कुल खरीद (केजी)	खरीद मूल्य
1	चावल	75	4,452	39,384
2	राजमा	07	324	16,359
3	गहत	04	49	1,718
4	सोयाबीन	39	1245	18,694
5	उरद	2	27	1,096
6	भट्ट	5	70	1043
7	झगुरा	7	352	1,740
8	मडुवा	11	308	1720
9	मक्के का आटा	17	240	2,400
10	मेथी	2	7	245
11	चौलाई	8	58	1,050
12	तिल	4	7.7	390
13	रीठा	4	146	2190
14	अखरोट	135	8,900	4,84,131
	कुल	**320**	**16,186**	**5,72,160**

मुर्गी पालन कार्यक्रम

उंमग द्वारा उपरोक्त आजीविका विकास कार्यक्रम के साथ-साथ आय अर्जित करने के अन्य साधनो को बढ़ावा देने के लिये लघु रूप से मुर्गी पालन करने हेतु अल्मोड़ा,नैनीताल एवं बागेष्वर जिले के 930 परिवारो को सचिंत रूप से प्रोत्साहित किया जिसमे से 36 नये परिवारों ने समीक्षा वर्ष में इस कार्यक्रम मे पहल की। समीक्षा वर्ष के दौरान कुल 5,103 मुर्गी के बच्चे का वितरण किया गया।

जिला	ब्लाक	गॉव की संख्या	लाभार्थी	मुर्गीयों की संख्या
अल्मोड़ा	द्वाराहाट	45	303	2463
	ताड़ीखेत	20	139	1619
	ताकुला	03	31	169
	गरूड़	10	23	322
पिथौरागढ़	बेरीनाग	01	20	500
नैनीताल	रामगढ	01	1	30
	कुल	**80**	**517**	**5,103**

विगत छः वर्षो के दौरान उमंग द्वारा 27,993 बच्चों का वितरण किया जा चुका है। इस परियोजना द्वारा एक परिवार की औसतन वार्षिक आय रू. 2,500 हो जाती है इसके अलावा चर्चा के उपरान्त यह ज्ञात हुआ है कि बच्चों के पोषण में अण्डों के उपभोग से सुधार आया है।

मैं श्रीमती जानकी खनयात ग्राम भुजान, ब्लाक ताड़ीखेत, जिला अल्मोड़ा की निवासी हूँ। मेरे द्वारा 20 मुर्गीयॉ उमंग से लेकर मैने कुछ महिनों बाद 10 मुर्गीयां रू0 2000 में बेच दी, तथा वर्तमान में 10 मुर्गीया एंव 8 मुर्गे है। सभी मुर्गीयॉ अण्डे देने वाली है,जिनसे मुझे प्रतिदिन 5–6 अण्डे प्राप्त हो जाते हैं। एक अण्डा 4 रू. में बिकता है। इस तरह अण्डो से ही में लगभग 600 रू. प्रतिमाह मैं कमा लेती हूँ। शेष 8 मुर्गो को मैं 250 रू0 प्रति मुर्गे के हिसाब से विक्रय करूगी। इस तरह मुझे लगता है कि मुर्गी पालन आय का एक अच्छा साधन है।

अन्त में अजीविका विकास कार्यक्रम के तहत 93 स्वंय सहायता समूहों के उत्पाद 45.97 लाख रूपये में विक्रय किये गये, जिससे 1222 परिवार को अतिरिक्त आय प्राप्त करने के अवसर प्राप्त हुये।

परिवार स्वास्थ बीमा योजना

विगत वर्ष उमंग द्वारा 230 परिवारों का स्वास्थ बीमा, हस्तकला केन्द्र, अल्मोड़ा के माध्यम से आई0 सी0 आई0 सी0 आई0, लोम्बार्ड, बीमा कम्पनी से कराया गया था, जिसमे 20 महिलाओं को स्वास्थ परीक्षण हेतु रू0 250–7500 तक का भुगतान बीमा कम्पनी द्वार प्राप्त हुआ। श्रीमती रमा देवी ग्राम दमतोला, प्रेरणा समूह की सदस्या की पहाड़ से गिरने से हुई मृत्यु पर, उसके परिवार/बच्चों की षिक्षा के लिए रू. 1 लाख का बीमा कम्पनी द्वारा दिया गया। यह कार्ड बनाने से महिलाओं को बहुत लाभ प्राप्त हो रहा है।

क्रत्रिम गर्भाधान से पशु नस्ल सुधार

विगत वर्षो से क्रत्रिम गर्भाधान द्वारा कनाड़ी गधेरे में 52 उन्नत नस्ल के बछड़ों को जन्म दिया गया। इसकी सफलता एंव प्रचार–प्रसार हेतु समीक्षा वर्ष में महिला उमंग समिति द्वारा गगास के अन्य गधेरों में से दो महिला एंव एक पुरूष को, उत्तराखण्ड सरकार की सहायता से, लाईवस्टाक डेवलपमेन्ट बोर्ड, ऋषिकेष में 4 माह तक प्रषिक्षित किया गया। वर्तमान में यह लोग गगास जलागम क्षेत्र में पषुओं नस्ल सुधार जागरूकता हेतु कार्यरत है।

महिला दिवस

विगत वर्षो से महिला दिवस पर विभिन्न क्षेत्रों से महिलाओं का उत्साह एंव सहभागिता को देखते हुये इस दिवस के महत्व को और गहराई से समझते हुये, एंव अधिक से अधिक महिलाओं की भागीदारी सुनिष्चित करने के लिए, उमंग द्वारा समीक्षा वर्ष में महिला दिवस को विकेन्द्रकृत तरीके से 8 क्षेत्रों (उमंग कार्यालय, नैनी, षिव मन्दिर, कफड़ा, रावलसेरा, छतगुल्ला, दुभणा एंव पातली, गागरीगोल) में बड़े हर्षोउल्लास से साथ मनाया गया। विभिन्न क्षेत्र के 110 समूहों की 670 महिलाओं ने अपनी उपस्थिति सुनिष्चित कर समाज में बढ़ते भ्रुण हत्या जैसे सामाजिक कुरीतियों पर विरोध जताया व लिंग भेद समानता पर विचार विर्मष किया गया, साथ ही राजनैतिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने जैसे मुददो पर भी चर्चा की गई।

आभार

अष्ठम वार्षिक पत्रिका का समापन करते हुये हम अपने सभी मित्रों एवं शुभचिन्तकों, वित्तीय संस्थाओं, सरकारी एवं संस्थागत सहयोगियो, फल एवं खाद्य संरक्षण अधिकारियों, हमारे द्वारा उत्पादित समान के सभी क्रेताओं, समस्त उत्पादक महिलाओं एंव कास्तकारों का आभार प्रकट करते है।

पान हिमालयन ग्रासरूटस डेवलपमेन्ट फाउन्डेषन, कुमाऊँ कारीगर समिति का हम आभार प्रकट करते है जिनके तकनीकि मार्गदर्षन, क्षमता वृद्वि व वित्तीय सहायता द्वारा इस समीक्षा वर्ष में हमने उपरोक्त कार्यक्रमों का संचालन किया।

समिति प्रगति रिपोर्ट एक नजर में

क्रम.स	कार्यक्रम	2008-09	आज तक
1	बुनाई कार्यक्रम • बिनाई से जुड़े नये गॉव • बिनाई से जुड़े नये समूह • नई जुड़ी महिलाओं की संख्या • बिक्री (रू. लाख में)	 07 24 288 24.14	 119 70 1249 91.83
2	संरक्षित खाद्य कार्यक्रम • जुड़े कास्तकारों की संख्या • अचार /जैम उत्पादन (किलो) • अचार /जैम बिक्री (रू. लाख में)	 90 9867 10.88	 100 40,593 36.29
3	मौन पालन कार्यक्रम • शहद कास्तकार • शहद बिक्री (रू. लाख में)	 18 3.67	 36 23.17
4	हिमखाद्य कार्यक्रम • कास्तकारों की संख्या • बिक्री (रू. लाख में)	 320 6.01	 367 10.55
5	स्वंय सहायता समूह • समूहो की संख्या • कुल सदस्य • कुल जमा राषि (रू. लाख में) • कुल ऋण (रू. लाख में)	 16 249 0.99 9.85	 159 2,345 27.87 13.30
6	मुर्गी पालन कार्यक्रम • जुड़े कास्तकारों की संख्या • वितरण की गई मुर्गी के बच्चों की संख्या	 36 5103	 966 27,993
7	शौचालय (लाभान्वित परिवार)		72
8	बायोगैस संयंत्र (लाभान्वित परिवार)		06
9	बरसाती जल संग्रहण टैंक		24
10	प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण एवं संवर्धन • वृक्षारोपण		 10,522